

भारत का संविधान



सत्यमेव जयते

भारत का संविधान



सत्यमेव जयते

भारत का संविधान



प्रस्तावना भारत के लोग, भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-सम्पन्न लोकतंत्रात्मक गणराज्य के लिये तथा उस के समस्त नागरिकों को:

सामाजिक आर्थिक और राजनीतिक न्याय,
विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास धर्म
और उपासना की स्वतंत्रता,
प्रतिष्ठा और अवसर की समता
प्राप्त कराने के लिये,
तथा उन सब में

व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की
एकता सुनिश्चित करने वाली बन्धुता
बढ़ाने के लिये

दृढ़ संकल्प हो कर अपनी इस संविधान सभा में
आज तारीख २६ नवम्बर १९४९ ई० (मिति मार्गशीर्ष
शुक्ला सप्तमी, संवत् दो हजार छ विक्रमी) को
एतद्वारा इस संविधान को अङ्गीकृत अधि-
नियमित और आत्मार्पित करते हैं।

**भारत के संविधान
की मूल सुलिखित प्रतिलिपि
(हिन्दी संस्करण)**

संक्षिप्त इतिहास

भारत के मूल संविधान का सुलेख (हिन्दी संस्करण) नामिक के श्री वसन्त कृष्ण वैद्य (गवर्नमेंट कामर्स प्रेस के एक कर्मचारी) द्वारा भारत के मुद्रण एवं लेखन सामग्री नियंत्रक द्वारा सप्लाई किए गए $16\frac{1}{2}'' \times 20\frac{1}{2}''$ 36 गौड़ इम्प., के हस्तनिर्मित मिलबोर्न लोन कागज के 500 पन्नों पर तैयार किया गया था। श्री वैद्य ने सुलेख तैयार करने का यह काम अप्रैल 1954 में पूरा किया था।

2. सुलिखित कागज को शांतिनिकेतन के सुप्रसिद्ध चित्रकार, श्री नन्द लाल बोस ने सुलचिपूर्ण तरीके से सजाया और अलंकृत किया। उन्होंने अपना यह कार्य चार वर्ष की अवधि में पूरा किया। इसके लिए मोहेजोदड़ी और वैदिक काल से आरंभ होकर भारत के स्वतंत्रता संग्राम तक के निर्दर्श-चित्र भारतीय इतिहास से लिए गए। सजावट का कार्य भारत के प्रथम प्रधान मंत्री श्री जवाहर लाल नेहरू के सुझावों के अनुसार निष्पादित करते हुए किनारों पर नवकाशी असली सोने के स्प्रे (छिङ्काव) द्वारा किया गया और सुलेख हेतु कागज के मध्य में $8'' \times 13''$ के सम्पूर्ण स्थान को आयताकार रूप में सञ्जित किया गया। श्री बोस ने इस प्रतिलिपि दस्तावेज के 221 पन्नों में कला और इतिहास का एक साथ अनोखा सम्मिश्रण करने का कठिन कार्य पूरा किया। हिन्दी संस्करण में चित्रण-कार्य की अनुकूलता सर्वश्री अरुण कुमार दास, चित्ररंजन पकड़शी, शीताशु कुमार गय और गमेश्वर सरन श्रीवास्तव द्वारा की गई। संसदीय सचिवालय (वर्तमान लोक सभा सचिवालय का पूर्ववर्ती) ने 26 जनवरी 1950 को यह परियोजना संविधान सभा से अपने हाथ में ली और तब से इस अति-महत्वपूर्ण दस्तावेज को भावी पीढ़ियों के लिए राष्ट्रीय उपलब्धि के प्रतीक के रूप में संरक्षित और संचित कर रखा है।

3. लोक सभा सचिवालय ने वर्ष 1999 में भारत के संविधान की मूल सुलिखित प्रतिलिपि से 1200 ऑफसेट मुद्रित प्रतिलिपियां तैयार की हैं।

4. भारत के संविधान को मूल सुलिखित प्रतिलिपि को वैज्ञानिक पद्धति से संरक्षित रखने हेतु नाइट्रोजन से भरे एक पात्र में सावधानीपूर्वक रखा गया है।

5. केन्द्रीय तथा राज्य सरकारों, मंत्रालयों/विभागों और अन्य शोध संस्थाओं एवं संगठनों की चिरकालिक मांग को पूरा करने हेतु इस ऐतिहासिक दस्तावेज की 1200 प्रतिलिपियां तैयार करने के लिए श्री सुधीर कुमार जैन, मैसर्स जैनको आर्ट इंडिया, नई दिल्ली धन्यवाद के पात्र हैं।

भारत के संविधान
की मूल सुलिखित प्रतिलिपि
(हिन्दी संस्करण)

संक्षिप्त इतिहास

भारत के मूल संविधान का सुलेख (हिन्दी संस्करण) नासिक के श्री वसन्त कृष्ण वैद्य (गवनमेंट कामर्स प्रेस के एक कर्मचारी) द्वारा भारत के मुद्रण एवं लेखन सामग्री नियंत्रक द्वारा समाई द्वारा किए गए $16\frac{1}{2}'' \times 20\frac{1}{2}''$ 36 पौँड इम्प., के हस्तनिर्मित मिलबोर्न लोन कागज के 500 पन्नों पर तैयार किया गया था। श्री वैद्य ने सुलेख तैयार करने का यह काम अप्रैल 1954 में पूरा किया था।

2. सुलिखित कागज को शास्त्रिकेतन के सुप्रसिद्ध चित्रकार, श्री नन्द लाल बोस ने सुलचिपूर्ण तरीके से सजाया और अलंकृत किया। उन्होंने अपना यह कार्य चार वर्ष की अवधि में पूरा किया। इसके लिए, मोहौजोदहो और वैदिक काल से आरंभ होकर भारत के स्वतंत्रता संशाप तक के निदर्श-चित्र भारतीय इतिहास से लिए गए। सजावट का कार्य भारत के प्रथम प्रधान मंत्री श्री जवाहर लाल नेहरू के सुझावों के अनुसार निष्पादित करते हुए, किनारों पर नक्काशी असली सोने के स्फे (छिड़काव) द्वारा किया गया और सुलेख हेतु कागज के मध्य में $8'' \times 13''$ के सम्पूर्ण स्थान को आयताकार रूप में सज्जित किया गया। श्री बोस ने इस प्रतिलिपि दस्तावेज के 221 पन्नों में कला और इतिहास का एक साथ अनोखा सम्मिश्रण करने का कठिन कार्य पूरा किया। हिन्दी संस्करण में चित्रण-कार्य की अनुकृति सर्वश्री अस्त्र कुमार दास, चितरंजन पकड़शी, शीतांशु कुमार राघव और यमेश्वर भट्ट श्रीवास्तव द्वारा की गई। संसदीय सचिवालय (वर्तमान लोक सभा सचिवालय का पूर्वजर्ता) ने 26 जनवरी 1950 को यह परियोजना संविधान सभा से अपने हाथ में ली और तब से इस अति-महत्वपूर्ण दस्तावेज को भावी पीढ़ियों के लिए राष्ट्रीय उपलब्धि के प्रतीक के रूप में संरक्षित और संचित कर रखा है।

3. लोक सभा सचिवालय ने वर्ष 1999 में भारत के संविधान की मूल सुलिखित प्रतिलिपि से 1200 ऑफसेट मुद्रित प्रतिलिपियां तैयार की हैं।

4. भारत के संविधान की मूल सुलिखित प्रतिलिपि को वैज्ञानिक पद्धति से संरक्षित रखने हेतु नाइट्रोजन से भरे एक पात्र में सावधानीपूर्वक रखा गया है।

5. केन्द्रीय तथा राज्य सरकारों, मंत्रालयों/विभागों और अन्य शोध संस्थाओं एवं संगठनों की चिरकालिक मांग को पूरा करने हेतु इस ऐतिहासिक दस्तावेज को 1200 प्रतिलिपियां तैयार करने के लिए श्री सुधीर कुमार जैन, मैसर्स जैनको आर्ट इंडिया, नई दिल्ली धन्यवाद के पात्र हैं।



भाग ६

प्रथम अनुसूची के भाग (क) में के राज्य

अध्याय १.— साधारण

परिमाणः

१५२. यदि प्रसंग से दुसरा अर्थ अपेक्षित न हो तो इस भाग में राज्य पद का अर्थ प्रथम अनुसूची के भाग (क) में उल्लिखित राज्य है।

अध्याय २.— कार्यपालिका

राज्यपाल

राज्यों के
राज्यपालः

राज्य की
कार्यपालिका
वासितः

१५३. प्रत्येक राज्य के लिये एक राज्यपाल होगा।

१५४. (१) राज्य की कार्यपालिका इविंते राज्यपाल में निहित होगी तथा वह इस का प्रयोग इस संविधान के अनुसार या तो खबर अथवा अपने अधीनस्थ पदाधिकारियों के द्वारा करेगा।

(२) इस अनुच्छेद की किसी बात से—

(क) जो कृत्य किसी वर्तमान विधि ने किसी आन्य प्राधिकारी को दिये हैं वे कृत्य राज्य-पाल को हस्तान्तरित किये हुये न रामझों जायेंगे अथवा

(ख) राज्यपाल के अधीनस्थ किसी प्राधिकारी को विधि द्वारा कृत्य देने में संसद अथवा राज्य के विधान-मंडल को बाधा न होगी।

राज्यपाल की
नियुक्ति

१५५. राज्य के राज्यपाल का राष्ट्रपति अपने हस्ताक्षर और मुद्रा सहित अधिपत्र द्वारा नियुक्त करेगा।

राज्यपाल की पदाधिकी

१५६. (१) राष्ट्रपति के प्रसाद पर्यन्त राज्यपाल पद पारण करेगा।

निदर्श-चित्रों की सूची

1. मोहेंजोदड़ी काल	मोहेंजोदड़ी काल की मुहर	1
2. वैदिक काल	वैदिक आश्रम (गुरुकुल) का दृश्य	3
3. महाकाल्य काल	रामायण का दृश्य (राम की लंका पर विजय और सीता का उद्धार)	6
4. -वही-	महाभारत का दृश्य (भागवद्गीता कथन)	18
5. महाजनपद और नन्दकाल	बुद्ध के जीवन की एक झांकी	21
6. -वही-	महावीर के जीवन की एक झांकी	68
7. मौर्य काल	सम्राट अशोक द्वारा भारत और विदेशों में बौद्ध धर्म के प्रसार को चित्रित करता एक दृश्य	107
8. गुप्त काल	गुप्त काल की कला का एक चित्र। विभिन्न चरणों में इसका विकास	111
9. -वही-	विक्रमादित्य के राजदरबार का एक दृश्य	114
10. -वही-	प्राचीन विश्वविद्यालय (नालंदा) का दृश्य	115
11. मध्य काल	उड़ीसा की मूर्तिकला	116
12. -वही-	नदराज	124
13. -वही-	महावीलपुरम मूर्तिकला का दृश्य (भागीरथ का तप और गंगा का अवतरण)	144
14. मुगल काल	अकबर का चित्र और पृष्ठभूमि में मुगल वास्तुकला	147
15. -वही-	शिवाजी और गुरु गोविन्द सिंह के चित्र	158
16. ब्रिटिश काल	टीपू सुल्तान और लक्ष्मीबाई के चित्र (ब्रिटिश राज्य के खिलाफ विद्रोह)	161
17. भारत का स्वतंत्रता संग्राम	राष्ट्रपिता का चित्र (गांधीजी का दोंडी मार्च)	167
18. -वही-	शांति के दूत बापूजी का नोआखली के दंगाग्रस्त क्षेत्रों का दौरा	172
19. स्वतंत्रता-प्राप्ति के लिए क्रांतिकारी आंदोलन	नेताजी सुभाष चन्द्र बोस और अन्य देशभक्त भारत से बाहर रहकर भारत माता को स्वतंत्र करने का प्रयास करते हुए	179
20. प्राकृतिक विशिष्टताएं	हिमालय का दृश्य	188
21. -वही-	रोगस्तान का दृश्य	189
22. -वही-	महासागर का दृश्य	204

અનુસૂચી

અષ્ટમ અનુસૂચી

{ અનુચ્છેદ ૩૪૪ (૧) ઓર ૩૫૨ }

ભાષાએ

૧. અસમિયા
૨. ઉડિપા
૩. ઉર્ડૂ
૪. કન્નડ
૫. કર્મારી
૬. ગુજરાતી
૭. તામિલ
૮. નેઝુગુ
૯. પંજાਬી
૧૦. બંગાળા
૧૧. મરાಠી
૧૨. મલયાલમ
૧૩. સંસ્કૃત
૧૪. હિન્દી

૧૧૦૩૫૮૮
નવાંશલોહ નાણા

૫૨૧મે ૨૦૧૮ ૨૧૫૨૫

ન. ગોપલકારા

C-P.Ramana,Rao

અનુસૂચિ વિલુણાસ્વામી અધ્યર

Annu Swaminadhan

J.Prakasam

M. J. C. T. M. A.

અનુસૂચી

काला नेमहराव.

वरदा

प्र. अनंत शर्म भाष्यक

नीमप संजीव रेणु

प्र. द्विष्टाली

गोविंद कृष्ण भगवन्नराव

कृष्णदत्त भाष्यक

कृष्णदत्त भाष्यक

कृष्णदत्त

कृष्णदत्त भाष्यक

कृष्णदत्त

कृष्णदत्त

कृष्णदत्त भाष्यक

कृष्णदत्त

कृष्णदत्त भाष्यक

कृष्णदत्त

श्री. वि. अलौकिक

विजयनाथ

T. R. Krishnamoorthy

07. 09. 2015/2016

सं. डॉ. कृष्णदत्त भाष्यक

कृष्णदत्त भाष्यक

कृष्णदत्त

कृष्णदत्त भाष्यक

कृष्णदत्त भाष्यक

कृष्णदत्त भाष्यक

कृष्णदत्त

कृष्णदत्त भाष्यक

कृष्णदत्त भाष्यक

कृष्णदत्त

कृष्णदत्त

कृष्णदत्त

S. V. Venkateswaran

D. Velayudhan

Gadampet Sugunan

R. Vinay Rao

K. Cheravara Rao

D. Govindarao

S. S. Sankar

A. R. S.

S. Krishnamurthy

B. Venkateswaran

M. M. Janaki

B. P. Chakravarthy

M. Venkateswaran

Malathy Pillai

K. T. N. Krishnakumar

Dr. S. G. Venkateswaran

DR. S. L. D.

D. Jayaram

Prof. Dr. M. V. Yashas

Dr. K. S. R.

A. Karunakaranmenon

Jayalakshmi Balaji

Dr. M. Venkateswaran

*H. Venkateswaran
I. C. & B. B. B.*

Dr. M. Venkateswaran

Mangalore University

२५६
श्रीसतीश-यंद्र सामन्त
श्रीसुरेश चंद्र मनुमध्य

श्रीवस्त्र कुमार दास

श्रीमुकुर विजय

श्रीमुकुर विजय

प्रस्तोत्रम् १८८७

१८८७

प्रस्तोत्रम् १८८७

गोपीनाथ दास

दास तिलमिश्वा.

रघुनाथ कुमार

रघुनाथ कुमार

कल्पवरद ज्ञानी

कल्पवरद ज्ञानी

श्रीमुकुर विजय

श्रीमुकुर विजय

अर्कवत्स विजय

अर्कवत्स विजय

दत्तात्रेय

दिग्बुक्ता राघव

दिग्बुक्ता राघव

B.N. Meenawali.

P.C. Patel.

Dr. Kanchanlal Patel.

Firdhi Seerangarayya

कल्पवरद

मुमुक्षु विजय

रामचंद्र माला

कालय रामानन्दी

विजय विजय

महेश्वर (प्रभु कृष्ण)

मुमुक्षु विजय

विजय

रामचंद्र विजय

S. Mohammad Ahmad
Kannan

K. Rajagopal (Rajam)

जगद्वा

Jogendra Singh

रामचंद्र विजय

द्वारा विजय

जगद्वा विजय

Mohan Lal Saksena

रामचंद्र विजय

Ramchandra
Saxena

मुमुक्षु विजय

रामचंद्र विजय
अमोदी

रामचंद्र विजय

चंद्री हैरान हसीन

A. Dharanidhar

मुमुक्षु विजय

~~246~~ 246 (Continued)

परमार्थी देवदेव
दुर्दृष्टि भाषीव

पश्चात्यन्तं राय

त्रिशूल अभिमुक्ति

जगती देवी देवी

अप्युपाप्युपाप्यु

जिन्हाराम शेष
स्त्री लोकोत्तम

महाम

जिन्हाराम

नारायण

जिन्हाराम

नारायण

246. 1421.
जिन्हाराम जिन्हाराम

Prasānt Kavirāj.

नारा मारुप

जिन्हाराम जिन्हाराम

~~246~~ 246 (Continued)

जिन्हाराम जिन्हाराम

जिन्हाराम

जगतीराम जिन्हाराम

(Signature)

जिन्हाराम जिन्हाराम

Sandeep Kumar Singh Raman

जिन्हाराम

जिन्हाराम

जिन्हाराम

जिन्हाराम

जिन्हाराम

जिन्हाराम

जिन्हाराम

246. 1421. 16. 8

/ 16

जिन्हाराम जिन्हाराम

जिन्हाराम जिन्हाराम

Jai Palsingh

పంతులు నుమ-

V.T Krishnamachari

ప్రార్థనల పాఠాలు

ప్రార్థనల పాఠాలు

శ్రీ విష్ణువు రామ
సత్కార దినిలు.

ప్రార్థనల పాఠాలు

Kalyani Sankarimalli

గోదావరి ప్రార్థనలు

ప్రార్థనల పాఠాలు

ప్రార్థనల పాఠాలు

ప్రార్థనల పాఠాలు

శ్రీ విష్ణువు రామ

శ్రీ విష్ణువు రామ

ప్రార్థనల పాఠాలు

ప్రార్థనల పాఠాలు

ప్రార్థనల పాఠాలు

Sreyasi Sastry

A.P. Thacker

ప్రార్థనల పాఠాలు

ప్రార్థనల పాఠాలు

ప్రార్థనల పాఠాలు

ప్రార్థనల పాఠాలు

શ્રીલભગવાન

શ્રીલભગવાન મંત્ર

શ્રીલભગવાન શ્રી નન્દકિસેન

શ્રીલભગવાન શ્રી રામકૃષ્ણ નેહ

શ્રીલભગવાન શ્રી રામકૃષ્ણ નેહ

શ્રીલભગવાન

શ્રીલભગવાન

શ્રી. ઓમ. કૃષ્ણ

શ્રી. કાકાશ રા.

શ્રી. ઓમ. શાંકર

શ્રી. ઓમ.

શ્રી. ઓમ. પદમાલિ

શ્રી. ઓમ. (H.R. બાબુનાથ)

શ્રી. ઓમ. કૃષ્ણ

શ્રી. ઓમ. શાંકર

શ્રી. ઓમ. પદમાલિ

શ્રી. ઓમ. શાંકર

શ્રી. ઓમ. પદમાલિ

શ્રી. ઓમ. ૧૯૭૧

શ્રી. ઓમ. ૧૯૭૧

શ્રી. ઓમ. ૧૯૭૧

શ્રી. ઓમ.

શ્રી. ઓમ. પદમાલિ

શ્રી. ઓમ. (H.R. બાબુનાથ)

શ્રી. ઓમ.

શ્રી. ઓમ. પદમાલિ

શ્રી. ઓમ. પદમાલિ

Jaswant Singh

Lender Singh of Pothi
सरपाली रेतकी

Jaswant Singh

Dilawar

बाबताली दहानी

H. K. Chaudhary

लियो बिल्ली

लियो बिल्ली

बाबताली दहानी

प. स. भट्ट

पूर्णकान जय (पूर्णकान
मिश्र)

गिर्गिरा खड़ी

(गिर्गिरा खड़ी)

हुड्डों खड़ी

लियो बिल्ली

रामन रामनी

बाबताली

लियो बिल्ली

मिली बिल्ली
(सुकन सुकनी जय)
रामन रामनी

लियो बिल्ली

लियो बिल्ली

बुजी फिल्ही

फुली मारवाड़ी

A. Mehta

P. S. Hataraj & Sons

G. Masaree

लियो बिल्ली

१०. २३. ६ जून १९७४।

मुख्य संसदः

Thakur Lal Singh

प्रधानमंत्री परमार्थ

प्रधानमंत्री अ. विष्णु

Girija Sankar Guha
गिरिजा संकर गुहा

जीवराज ल. नेहरा

माधवराम हेमदेव

मुनि कल्पना च.

मुनि कल्पना च.

ललाल मालवी

मुरुड भिंडे औजन्न

मुरुड भिंडे

म. ह. जैन

१०. १. १९७४ अप्रैल

संघिकानन्द सिंह

विद्युत रामो

विद्युत विकास अभियान

विश्वशीकरण एवं विकास

जुमौरी और रात्ती
ने रीम उड़ाना प्रभु रम. जै.

Kamlesh Guha

सुनील गुहा

फोटो ग्राफी

देवेश विजय

दिव्य लाल

१० लोक सभा सचिवालय, नई दिल्ली, 1999
हिन्दी प्रतिलिपि—प्रबन्धक, भारत सरकार, फोटो लिये
मुद्रणालय, नई दिल्ली द्वारा विस्तृत की गई।

सुलेखन-कार्य—श्री बनान कृष्ण वैद्य द्वारा किया गया
विवरण-कार्य की अनुकूलि सर्वश्री अद्य बुधवार दास,
चिन्द्रनन्द पक्षदाशी, शोलांशु कुमार याद और रमेश्वर
मारन श्रीवाल्मी द्वारा की गई।

हिन्दी प्रतिलिपि का मुद्रण-कार्य—श्री सुधीर कुमार जैन,
गैरकृत जैनको आदि इडिया, नई दिल्ली द्वारा किया गया।

भारत
का
संविधान

